ABOUT US

Madhya Pradesh Grameen Bank, a Regional Rural Bank, constituted on 1St April, 2019 after amalgamation of two Regional Rural Banks (RRBs) namely Narmada Jhaubua Grameen Bank and Central Madhya Pradesh Gramin Bank as per Government of India Gazette Notification No. S.O. 291 (E) dated 11-01-2019 in the public interest and in the interest of the development of the area served by the aforesaid Regional Rural Banks. Erstwhile Narmada Jhabua Gramin Bank was sponsored by Bank of India while Central Madhya Pradesh Gramin Bank was sponsored by Central Bank of India. The amalgamated entity **Madhya Pradesh Gramin Bank** functions under Regional Rural Banks Act 1976 having its Head Office at Indore (M.P.) under the sponsorship of **Bank of India**. The Bank is operating in 39 districts of Madhya Pradesh namely –	भारत सरकार की अधिसूचना क्रमांक एस.ओ. 291 (ई) दिनांक 11.01.2019 के अनुपालन में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको यथा नर्मदा झाबुआ ग्रामीण बैंक एवं सेन्ट्रल मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक को जनहित एवं जिन क्षेत्रों में में सेवा दी जा रही हैं उन क्षेत्रों के विकास के हित में दिनांक 01 अप्रेल 2019 को समामेलित कर **मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक** का गठन हुआ हैं। पूर्ववर्ती नर्मदा झाबुआ ग्रामीण बैंक, बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा प्रायोजित थी जबकी पूर्ववर्ती सेन्ट्रल मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक, सेन्ट्रल बैंक द्वारा प्रायोजित थी। समामेलित मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक, बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा प्रायोजित होकर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम 1976 के तहत बैंकिंग गतिविधियों का संचालन कर रही हैं जिसका प्रधान कार्यालय इन्दौर (म.प्र.) में हैं। बैंक का कार्यक्षेत्र मध्य प्रदेश के जिलों में हैं जो कि निम्नानुसार हैं –

Agar Malwa/आगर मालवा	Dindori/डिंडोरी	Narsingpur/नरसिंहपुर
Alirajpur/अलिराजपुर	Gwalior/ग्वालियर	Neemuch/नीमच
Anuppur/अनूपपुर	Harda/हरदा	Raisen/रायसेन
Balaghat/बालाघाट	Hoshangabad/होशंगाबाद	Rajgarh/राजगढ़
Barwani/बडवानी	Jabalpur/जबलपुर	Ratlam/रतलाम
Betul/बैतूल	Jhabua/झाबुआ	Sehore/सीहोर
Bhind/भिण्ड	Katni/कटनी	Seoni/सिवनी
Bhopal/भोपाल	Khandwa/खण्डवा	Shahdol/शहडोल
Burhanpur/बुरहानपुर	Khargone/खरगौन	Shajapur/शाजापुर
Chhindwara/छिंदवाडा	Indore/इन्दौर	Sheopur/श्योपुर
Datia/दतिया	Mandla/मण्डला	Ujjain/उज्जैन
Dewas/देवास	Mandsaur/मंदसौर	Umaria/उमरिया
Dhar/धार	Morena/मुरैना	Vidisha/विदिशा

Bank is having a network of 866 Branches & 14 Regional Offices. All branches are on CBS platform. RTGS/NEFT facility is enabled in all branches. Internet (View) facility is also available.	बैंक क्षेत्रीय कार्यालयों एवं 866 शाखाओं के माध्यम से कार्यरत हैं। समस्त शाखएँ कोर बैंकिंग प्लेटफार्म पर हैं। एनईएफटी/आरटीजीएस सुविधा शाखाओं में उपलब्ध हैं। इन्टरनेट (दृश्य) सुविधा भी उपलब्ध हैं।

ABOUT US

The Regional Offices of the Bank are located at –	**क्षेत्रीय कार्यालय निम्नानुसार स्थित हैं –**
Bhopal/भोपाल	Jhabua/झाबुआ
Chhindwara/छिंदवाडा	Khargone/खरगौन
Dewas/देवास	Mandla/मण्डला
Dhar/धार	Mandsaur/मंदसौर
Gwalior/ग्वालियर	Sehore/सीहोर
Hoshangabad/होशंगाबाद	Shahdol/शहडोल
Jabalpur/जबलपुर	Ujjain/उज्जैन
History of erstwhile RRBs is as under –	पूर्ववर्ती ग्रामीण बैंक की जानकारी निम्नानुसार हैं –
Erstwhile Narmada Jhabua Gramin Bank was constituted on 1st November, 2012 after amalgamation of two Regional Rural Banks (RRBs) namely **Narmada Malwa Gramin Bank** and **Jhabua Dhar Kshetriya Gramin Bank** as per Government of India notification wide F.No.7/9/2011-RRB (Madhya Pradesh-1) dated 01-11-2012. Erstwhile Narmada Malwa Gramin Bank was sponsored by **Bank of India** while erstwhile Jhabua Dhar Kshetriya Gramin Bank was sponsored by **Bank of Baroda**.	भारत सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ न. 7/9/2011– आरआरबी (मध्य प्रदेश – 1) दिनांक 01.11.2012 के अनुपालन में **नर्मदा झाबुआ ग्रामीण बैंक** का गठन दिनाकं 01 नवम्बर 2012 को दो क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक यथा नर्मदा मालवा ग्रामीण बैंक एवं झाबुआ धार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के समामेलन पर हूंआ हैं। पुर्ववर्ती नर्मदा मालवा ग्रामीण बैंक, बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा प्रायोजित थी जबकी पुर्ववर्ती झाबुआ धार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, बैंक ऑफ बडौदा द्वारा प्रायोजित थी।
Erstwhile Narmada Malwa Gramin Bank, was constituted on 3rd April,2006 after amalgamation of four Regional Rural Banks (RRBs) as per Government of India notification wide F.No.1(4)/2006-RRB.All four RRB's was sponsored by Bank of India.	पुर्ववर्ती नर्मदा मालवा ग्रामीण बैंक का गठन भारत सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ.न. 1(4)/2006–आरआरबी के अनुपालन में दिनांक 03 अप्रेल 2006 को बैंक ऑफ इण्डिया प्रायोजित चार ग्रामीण बैंकों के समामेलन पर हूंआ था।
Details of Erstwhile RRBs of Narmada Malwa Gramin Bank are as under:	नर्मदा मालवा की पुर्ववर्ती ग्रामीण बैंकों का विवरण निम्नानुसार हैं –
01. Dewas-Shajapur Kshetriya Gramin Bank (Since 30.03.1982) 02. Nimar Kshetriya Gramin Bank	01. देवास शाजापुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (दिनांक 30.03.1982) 02. निमाड क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

(Since 26.06.1982) 03. Rajgarh-Sehore Kshetriya Gramin Bank (Since 23.03.1983) 04. Indore-Ujjain Kshetriya Gramin Bank (Since 19.11.1984)	(दिनांक 26.06.1982 से) 03. राजगढ़ सीहोर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (दिनांक 23.03.1983 से) 04. इन्दौर उज्जैन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (दिनांक 19.11.1984 से)
Erstwhile JHABUA DHAR KSHETRIYA GRAMIN BANK was constituted on 20th June,1980	पूर्ववर्ती झाबुआ धार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का गठन दिनांक 20 जून 1980 को हूंआ था।
Erstwhile Central Madhya Pradesh Gramin Bank was constituted on 08.10.2012 by amalgamating **Satpura Narmada Kshetriya Gramin Bank**, **Vidisha Bhopal KShetriya Gramin Bank** and **Mahakaushal KShetriya Gramin Bank**.	पूर्ववर्ती सेन्ट्रल मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक का गठन दिनांक 08.10.2012 को सतपुडा नर्मदा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, विदिशा भोपाल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक एवं महाकौशल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के समामेलन पर हुआ था।
Erstwhile Satpura Narmada Kshetriya Gramin Bank was constituted by amalgamation of following Bank 01.Chambal Gwalior Gramin Bank, 02.Hoshangabad Kshetriya Gramin Bank, 03.Mandla Balaghat Kshetriya Gramin Bank, 04.Shahdol Kshetriya Gramin Bank, 05.Chhindwara Seoni Kshetriya Gramin Bank 06.Ratlam Mandsaur Kshetriya Gramin Bank.	पूर्ववर्ती सतपुडा नर्मदा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का गठन निम्न ग्रामीण बैंकों के समामेलन पर हुआ था – 01. चम्बल ग्वालियर ग्रामीण बैंक 02. होशंगाबाद क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक 03. मण्डला बालाघाट क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक 04. शहडोल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक 05. छिंदवाडा सिवनी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक 06. रतलाम मंदसौर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
Erstwhile Chambal Gwalior Gramin Bank was constituted on amalgamation of Gwalior Datiya Kshetriya Gramin Bank and Chambal Kshetriya Gramin Bank.	पूर्ववर्ती चम्बल ग्वालियर ग्रामीण बैंक का गठन पूर्ववर्ती ग्वालियर दतिया क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक एवं चम्बल क्षेत्रीय ग्रामीण बैक के समामेलन पर हुआ था।
Overview: Regional Rural Banks (RRBs) were established under the provisions of the Ordinance promulgated on the 26th September 1975 and followed by Regional Rural Banks Act, 1976 with a view to develop the rural economy and to create a supplementary channel to the 'Cooperative Credit Structure' with a view to enlarge institutional credit for the rural and agriculture sector. The Government of India, the concerned State Government and the bank, which had sponsored the RRB contributed to the share capital of RRBs in the proportion of 50%, 15% and 35%, respectively.	पृष्ठभूमि: ग्रामीण और कृषि क्षेत्र के संस्थागत ऋण बढ़ाने हेतु ग्रामीण अर्थव्यवस्था को विकसित करने तथा सहकारी संरचना का पूरक माध्यम बनाने के उद्देश्य से 26 सितम्बर 1975 को जारी अध्यादेश तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम के तहत क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको की स्थापना हुई। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की अंश पूंजी में भारत सरकार ने 50 प्रतिशत, संबंधित राज्य शासन ने 15 प्रतिशत एवं प्रायोजक बैंक ने 35 प्रतिशत अंशदान किया हैं।

Objectives of Regional Rural Banks: Regional Rural Banks were established with the following objectives in mind: i. Taking the banking services to the doorstep of rural masses, particularly in hitherto unbanked rural areas. ii. Making available institutional credit to the weaker sections of the society who had by far little or no access to cheaper loans and had perforce been depending on the private money lenders. iii. Mobilize rural savings and channelize them for supporting productive activities in rural areas.	**क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के गठन का उद्देश्य :** क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के गठन के मुख्य उद्देश्य निम्नानुसार थे – i. बैंकिंग सेवाओं को ग्रामीण जनता तक ले जाना, विशेषकर अभी तक बैंक रहित ग्रामीण क्षेत्रों में लेकर जाना, ii. समाज के कमजोर वर्गो को संस्थागत ऋण उपलब्ध कराना जिनकी सस्ते ऋणों तक बहुत ही कम अथवा कोई पहुंच नही हैं और साहूकारों पर निर्भर हैं। iii. ग्रामीण बचतों का संग्रह और उन बचत को ग्रामीण क्षेत्र में उत्पादक गतिविधियों को सहयोग करने के लिए प्रयुक्त करना।